अभिकर्ता भर्ती पूर्व परीक्षा (COURSE IC-38) हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न एवं उनके उत्तर

Q1.निम्न में से कौन भारत में बीमा उद्योग का नियामक है
A.बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण
Q2.निम्न में से किससे तात्पर्य द्वितीयक प्रकार के जोखिम से है?
A.भविष्य में सम्भावित हानि के प्रबंधन हेतु सुरक्षित फण्ड का निर्माण
Q3.निम्न में कौन जोखिम हस्तांतरण की विधि है ?
A.बीमा
Q4.निम्न में से कौन सा परिद्रश्य बीमा की आवश्यकता को दर्शाता है ?
A.परिवार के आय अर्जक की असमय मृत्यु
Q5.जोखिम पूलिंग के माध्यम से जोखिम हस्तांतरण निम्न में से क्या कहलाताहै?
A.बीमा
Q6.जोखिम होने की सम्भावना को कम करने के उपाय कहलाते है---
A.हानि प्रतिरोधन
Q7. बीमाकर्ता को जोखिम हस्तांतरण के माध्यम से निम्न में से क्या सम्भव हो पाता है ?
A. भविष्य के जोखिम के प्रति निश्चितता व अपने व्यवसाय को और अधिक प्रभावी ढंग से चलाना
Q8. वर्तमान बीमा का उद्गम माना जाता है
A. लॉयड
Q9. बीमा के सन्दर्भ में जोखिम प्रतिधारण से अभिप्राय है
A. व्यक्ति जोखिम व इसके प्रभावों को स्वयं वहन करता है
Q10. 400 घरों के समूह में जिसमे प्रत्येक का मूल्य रु.20000/- है, औसतन 4 घर प्रतिवर्ष अग्नि के कारण जलते है जिससे कुल हानि रु.80000/-होती है.इस हानि की भरपाई के लिये समूह के प्रत्येक घर से कितना योगदान होना चाहिये?
A. रु.200/-
Q11. निम्न में से कौन जीवन बीमा व्यवसाय का तत्त्व नही है?
A. आर्थिक मदद (सब्सिडी)
Q12. मानव जीवन मूल्य की विचारधारा किसने तैयार की थी ?
A. प्रोफेसर ह्युबनर
Q13. निम्न में से किस योजना में शून्य अथवा न्यूनतम बचत तत्त्व होता है ?
A. अवधि बीमा
Q14. निम्न में से किसे एक सम्पत्ति नही माना जाता है ?
A. वायु
Q15. निम्न में से किसे जोखिम के अंतर्गत वर्गीकृत नही किया जाता है
A. प्राकृतिक आपदायें
Q16. निम्न में से कौन सी विधि से किसी व्यक्ति को बीमे की पर्याप्तता मापी जाती है?
A. मानव जीवन मूल्य
Q17. रमेश निम्न में से किसका बीमा नही करवा सकता है ?
A. रमेश का मित्र
Q18. जीवन बीमा सम्विदा के सन्दर्भ में निम्न में से कौन सा कथन सत्य है ?
A. ये भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 के अंतर्गत आते हैं जो कि दो पक्षों के मध्य लागू होते हैं
Q19. निम्न में से कौन वैध सम्विदा नही कर सकता है ?
A. अवयस्क
Q20. कौन सा तत्व वैध सम्विदा के प्रीमियम से सम्बंधित है ?
A. प्रतिफल
Q21. निम्न में से कौन परम सद्भाव के सिद्धांत को दर्शाता है ?
A. सारभूत तथ्यों का प्रदर्शन
Q22. बीमा योग्य हित के सम्बंध में क्या सही नही है ?
A. मित्र द्वारा दूसरे मित्र के जीवन पर बीमा
Q23. जीवन बीमा के सम्बंध में निम्न मे से कब बीमा योग्य हित की उपस्थिति देखी जाती है ?
A. बीमा लेते समय
Q24. निम्न परिदृश्य में मृत्यु का आसन्न कारण क्या है ? अजय के घुडसवारी के दौरान गिरने से पीठ में चोट लगती है, वह एक पूल में जाता है और उसे न्यूमोनिया हो जाता है,उसे अस्पताल में भर्ती करते हैं और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु न्यूमोनिया से हो जाती है
A. घोडे से गिरना
Q25. भविष्य की अनिश्चित घटनाओं के विरुद्ध लड़ने के लिये आप इनमे से कौन सा विकल्प चुनेंगे ?
A. बीमा
Q26. निम्न में से कौन सी अवस्था में भूतकाल की बचत का सर्वाधिक उपयोग होता है ?
A. सेवानिवृत्ति पश्चात
Q27. निवेश की कालावधि व उसपर प्रतिफल में क्या सम्बंध होता है ?

Scanned by CamScanner

A. निवेश की कालावधि अधिक होने पर प्रतिफल बढता जाता है

Q28. निम्न में से कौन से उत्पाद को ट्रांजेक्शनल (लेनदेन संबंधी) उत्पाद माना जाता है ?

A. बैंक जमा

Q29. निम्न में से कौन से निवेश के माध्यम को आपातकालीन उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया गया है ?

A. जीवन बीमा

Q30. निम्न में कौन से उत्पाद को समृद्धि संचय/धन संचय उत्पाद कहा जाता है ?

A. शेयर

Q31.निम्न में से कौन अपनी ऐच्छिक आय को बढाने की रणनीति नही है ?

A. बीमा क्रय

Q32.निम्न में कौन सा उत्पाद अस्पर्शनीय है ?

A. जीवन बीमा

Q33.किसी आजीवन बीमा में देय प्रीमियम एक अवधि बीमा योजना में देय प्रीमियम की तुलना में ——— होता है ?

A. अधिक

Q34. ------- जीवन बीमा में व्यक्ति की मृत्यु होने की दशा में उसके बंधक (कर्ज) की प्रतिपूर्ति हो जाती है.

A. बंधक

Q35.अवधि बीमा के सन्दर्भ में निम्न में से कौन सा विकल्प सही है ?

A. अवधि बीमा को एक अकेली पॉलिसी के रूप में अथवा किसी बीमा योजना में सम्पूरक के रूप में भी लिया जा सकता है.

Q36.निम्न में कौन जीवन बीमा पॉलिसी खरीदने का प्राथमिक उद्देश्य है

A. किसी व्यक्ति की धनार्जन क्षमता खोने पर उसके विरुद्ध सुरक्षा

Q37. निम्न में से किसे एक अवधि बीमा योजना की सलाह देना सबसे अच्छा माना जाता है ?

A. उस व्यक्ति को जिसकी आय कम है परंतु उसे बीमा सुरक्षा चाहिये

Q38. बन्दोबस्ती बीमा के सन्दर्भ में निम्न में से कौन सा कथन सत्य है.

A. इस मृत्यु व उत्तरजीविता लाभ दोनो होते हैं

Q39. निम्न में से कौन बन्दोबस्ती बीमा का एक उदाहरण है ?

A. धन वापसी योजना

Q40. निम्न में से कौन सी बीमा योजना गैर परम्परागत जीवन बीमा योजना है ?

A. यूनीवर्सल बीमा योजना/परिवर्ती बीमा योजना/यूलिप पॉलिसी

Q41. यूनीवर्सल जीवन बीमा पॉलिसी सर्वप्रथम कहा प्रस्तुत की गयी थी ?

A. अमेरिका

Q42. युलिप बीमा योजना के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

A. निवेश जोखिम बीमित/पोलिसिधारक द्वारा वहन किया जाता है

Q43. निश्चित हितलाभ वार्षिकी में निवेश जोखिम कौन वहन करता है ?

A. बीमाकर्त्ता/बीमाकंपनी

Q44. स्वास्थ्य बीमा निम्न में से किस प्रकार के जोखिमों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करता है ?

A. बीमारी

Q45. आई आर डी ए से तात्पर्य है

A. इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवेलपमेंट अथॉरिटी

Q46. टीपीए से तात्पर्य है (स्वास्थ्य बीमा में)

A. थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर/तृतीय पक्ष व्यवस्थापक

Q47. निम्न में से कौन सा समूह एक समूह स्वास्थ्य बीमा योजना के लिये योग्य नही है ?

A. गैर संगठित समूह जोकि स्वास्थ्य बीमा सुविधा प्राप्त करने के लिये ही एकत्र हुए हैं

Q48. स्वास्थ्य बीमा में प्रीमियम भुगतान हेतु अनुग्रह अवधि नवीनतम निर्देशों के अनुसार कितनी है ?

A. 15 दिन

Q49. की-मैन (महत्वपूर्ण व्यक्ति के बीमा) में बीमा धन मुख्यतया किस तत्त्व से जुडा होता है ?

A. व्यवसाय की लाभ प्रदता

Q50. कीमैन (महत्त्वपूर्ण व्यक्ति) में मुख्यतया कौन सा जोखिम कवर किया जाता है ?

A. कीमैन कार्य करने में अयोग्य होने पर आय के नुकसान की भरपाई

Q51.एक पॉलिसी विवाहित स्त्री सम्पदा अधिनियम के अंतर्गत जारी की गयी है,बीमाधारक ने इसे लागू करने के लिये न्यास की स्थापना नही की है ,इस दशा में देय लाभ किसे प्राप्त होंगे ?

A. सरकार द्वारा नियुक्त आधिकारिक ट्रस्टी

Q52. महेश कर्ज ली गयी पूंजी से व्यवसाय चलाता है,उसकी असमय मृत्यु होने पर लेनदार उसकी सम्पत्ति से ऋण वसूली करना का प्रयास कर रहे हैं,निम्न में से कौन सी सम्पत्ति लेनदारों के अधिकार से बाहर रहेगी ?

A. विवाहित स्त्री सम्पत्ति अधिनियम के अंतर्गत ली गयी महेश के जीवन पर अवधि बीमा पॉलिसी.

Q53. विवाहित स्त्री सम्पत्ति अधिनियम के सम्बंध में निम्न में से कौनसा कथन सत्य हैकथन1: मृत्यु दावा का भुगतान नामित को किया जाता है कथन 2 : मृत्यु दावा का भुगतान न्यासी के पक्ष में किया जाता है

Scanned by CamScanner

A. कथन 2

Q54. गृह ऋण लेने वाले व्यक्तियों के लिये सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु कौन सा बीमा सर्वाधिक उपयुक्त रहता है ?

A. बंधक विमोचन बीमा

Q55. बीमा पॉलिसी व्यपगत (लैप्स) होने से क्या आशय है ?

A. पॉलिसीधारक प्रीमियम भुगतान बीच में ही रोक देता है

Q56. युलिप के अंतर्गत निवेश का जोखिम कौन वहन करता है ?

A. बीमित

Q57. बीमा पॉलिसी में प्रीमियम शब्द से तात्पर्य है ---

A. बीमित द्वारा जोखिम कवर हेतु भुगतान किया गया मूल्य

Q58. जीवन बीमा प्रीमियम निर्धारण में निम्न एक कारक नही है

A. छूट

Q59. बीमा में निकासी (विदड्रावल) से क्या तात्पर्य है ?

A. पॉलिसी का समर्पण

Q60. चिकित्सकीय परीक्षण में निम्न में से कौन से लक्षण देखे जाते हैं ?

A. ऊंचाई, वजन व रक्तचाप

Q61. ---------- एक औपचारिक व वैधानिक प्रपत्र है जोकि बीमा कम्पनियां उत्पाद सम्बंधी विवरण देने में उपयोग करती हैं

A. प्रॉस्पेक्टस

Q62. बीमा हेतु आवेदन करने के लिये प्रयुक्त प्रपत्र कहलाता है----------?

A. प्रस्ताव पत्र

Q63. मनी लांडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से --------- धन को निवेश करके उसे ---------- धन में परिवर्तन कर लिया जाता है

A. अवैध , वैध

Q64. यदि कोई पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसी से संतुष्ट नही है तो वह पॉलिसीबॉण्ड मिलने के ------ दिनों के अन्दर अपनी पॉलिसी रद्द करवा कर अपनी प्रीमियम राशि वापस प्राप्त कर सकता है

A. 15

Q65. कूलिंग ऑफ प्रक्रिया के माध्यम से रद्द हुई पॉलिसी में पॉलिसी धारक को निम्न राशि वापस की जाती है.

A. प्रीमियम में से पॉलिसी बनाने का खर्च व उस अवधि की जोखिम प्रीमियम काट कर

Q66. किसी पॉलिसी में प्रथम प्रीमियम रसीद जारी होने का क्या महत्व है ?

A. इस बात का प्रमाण कि बीमा सम्विदा प्रारम्भ हो गयी है

Q67. मानक जीवन से तात्पर्य एसे जीवन से है

A. जिनकी अनुमानित मृत्यु दर, मृत्यु दर तालिका मे दिखाये गए मानक जीवनो से मेल खाती हो

Q68. किसी पॉलिसी बॉण्ड में भाषा की जटिलता के कारण अस्पष्टता की स्थिति उत्पन्न हो गयी है, सामान्यतया इसका समाधान क्या होगा ?

A. बीमित के पक्ष में

Q69. पॉलिसी बॉण्ड को निम्न में से किस तरह से सबसे अच्छी तरह से परिभाषित किया जा सकता है ?

A. यह बीमा सम्विदा का एक साक्ष्य होता है

Q70. प्रथम प्रीमियम जमा होने क पश्चात जमा होने के प्रमाण स्वरूप कौन सी रसीद जारी की जाती है ?

A. नवीनीकरण प्रीमियम रसीद

Q71. बीमा पॉलिसी में नियुक्त व्यक्ति की आवश्यकता कब पडती है ?

A. नामित के अवयस्क होने पर

Q72. नामांकन के सन्दर्भ में निम्न में से क्या असत्य है ?

A. नामांकित व्यक्ति का दावा राशि पर पूर्ण अधिकार होता है

Q73. गारंटीकृत समर्पण मूल्य प्राप्त करने के लिये न्यूनतम कितने वर्ष के प्रीमियम लगातार जमा होने चाहिये ?

A. 3 वर्ष

Q74. पॉलिसी लैप्स (कालातीत / व्यपगत) कब हो जाती है ?

A. यदि प्रीमियम अनुग्रह अवधि के अन्दर जमा न किये गये हों

Q75. बीमा पॉलिसी के सन्दर्भ में अनुग्रह अवधि से क्या तात्पर्य है ?

A. अनुग्रह अवधि 1 माह या 31 दिन की होती है

Q76. यदि अनुग्रह अवधि के दौरान बीमित की मृत्यु हो जाये और प्रीमियम जमा न हों तो दावा राशि का क्या होगा ?

A. बीमा कर्त्ता अदत्त प्रीमियम को काट कर पूरी दावा राशि का भुगतान करेगा

Q77. बीमा पॉलिसी में नामांकन सम्बंधी प्रावधान बीमा अधिनियम 1938 की धारा ---- के अंतर्गत वर्णित हैं.

A. 39

Q78. निम्न में से क्या नैतिक जोखिम की श्रेणी में आता है ?

A. कोई बीमाधारक इस लिये अधिक मदिरा पान करने लगे कि उसने बीमा करवा रखा है

Q79. बीमा कम्पनी में जोखिमांकन कर्त्ता/अंडरराइटर की भूमिका क्या है ?

A. जोखिम स्वीकार करने का निर्णय

Q80. निम्न में से क्या जोखिमांकन सम्बंधी निर्णय नही है ?

A. दावा निरस्तीकरण

Q81. जोखिमांकन की कौन सी प्रक्रिया में जोखिमांकन कर्त्ता ऋणात्मक कारको (तथ्यों) के लिये अंक प्रदान करती है ?

Scanned by CamScanner

A. आंकिक पद्धति

Q82. महेश ने एक बीमा पॉलिसी गम्भीर बीमारी सम्पूरक के साथ खरीदी है,इस पॉलिसी का परम समनुदेशन करन के पक्ष में कर दिया जाता है.हृदयाघात होने की दशा में दावा राशि रु.50000/- का भुगतान किसके पक्ष में किया जायेगा ?

A. करन

Q83. निम्न में से कौन सी मृत्यु दावा को शीघ्र दावा की श्रेणी में रखा जायेगा ?

A. पॉलिसी लेने के 3 वर्ष के भीतर पॉलिसीधारक की मृत्यु

Q84. धन वापसी योजना में एक निश्चित अवधि पूर्ण होने पर देय राशि निम्न में से कौन से दावे में आती है ?

A. आवधिक उत्तर जीविता हितलाभ

Q85. बीमा अभिकर्त्ता निम्न में से किसका प्रतिनिधित्व करता है ?

A. बीमा कर्त्ता/बीमाकंपनी

Q86. एक बीमा दलाल ---------- का प्रतिनिधित्व करता है ?

A. बीमित

Q87.ग्राहक का जीवन पर्यंत मूल्य निम्न में से कौन सा है ?

A. ग्राहक से दीर्घकालिक सम्बंध बनाने से प्राप्य आर्थिक मूल्य का योग

Q88. निम्न में से क्या स्पर्शनीय (मूर्त) वस्तु नही है.

A. बीमा

Q89. निम्न में से कौन सी संस्था के पास शिकायत निपटारे हेतु 20 लाख मूल्य की सीमा है व उसका क्षेत्राधिकार निश्चित होता है

A. ज़िला उपभोक्ता फोरम

Q90. आई जी एम ऐस से तात्पर्य----------

A. इंटीग्रेटड ग्रीवेंस मैनेजमेंट सिस्टम

Q91. रु.20 लाख से लेकर 1 करोड तक के मामले की सुनवाई निम्न में से किस मंच पर होती है ?

A. राज्य आयोग

Q92. बीमा पॉलिसी सम्बंधी शिकायतों को निम्न में से कौन से स्थान पर ले जाना सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?

A. बीमा लोकपाल

Q93. बीमा लोकपाल के क्षेत्रीय अधिकार के सम्बंध में निम्न में से कौन सा कथन सत्य है ?

A. बीमा लोकपाल विशिष्ट क्षेत्र सीमाओं में कार्य करता है

Q94. बीमा लोकपाल में शिकायत किस माध्यम से दी जा सकती है ?

A. लिखित

Q95. बीमा लोकपाल में शिकायत दर्ज कराने की समय सीमा क्या है ?

A. बीमाकर्ता द्वारा शिकायत निरस्त किये जाने के 1 वर्ष के अन्दर

Q96. शिकायत कर्त्ता को बीमालोकपाल में शिकायत दर्ज कराने हेतु कितना शिकायत शुल्क देना होगा ?

A. कोई शुल्क नही

Q97. क्या किसी निजी बीमा कम्पनी के विरुद्ध शिकायत की जा सकती है ?

A. हाँ,निजी बीमा कम्पनी के विरुद्ध भी शिकायत की जा सकती है

Q98. बीमे के संबंध मे सबसे पहले नियम कब बनाए गए थे

A. 1912

Q99. बीमे के संबंध मे सबसे पहले कानून कब बनाया गया था एवं कब से लागू हुआ था

A. बीमा अधिनियम 1938 जो जुलाई 1939 से लागू हुआ

Q100. आईआरडीए की स्थापना कब हुई थी

A. सन 2000 में

Q101. भारतीय जीवन बीमा की स्थापना कब हुयी थी

A. 1 सितंबर 1956

Q102.बैंकों को नियंत्रण एवं संचालन करने वाली केन्द्रीय बैंक कौन सी है

A.आरबीआई (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया)

Q103. आधिक्य/अधिशेष/सरप्लस का अभिप्राय होता है

A. देनदारी मूल्य की तुलना मे परिसंप्पतियों के मूल्य का अधिक होना

Q104.भारत मे व्यवसाय शुरू करने वाली प्रथम बीमा कंपनी का नाम ?

A.ओरिएंटल जीवन बीमा कंपनी

Q105.जीवन बीमा मे बीमायोग्य हित होना कब आवश्यक है

A.पॉलिसी लेते समय

Q106. साधारण बीमा मे बीमायोग्य हित होना कब आवश्यक है

A. पॉलिसी लेते समय एवं दावा भुगतान के समय

Q107.एक व्यक्ति ने बीमा 30 वर्ष का लिया था। 25 वर्ष बाद बीमाधन कम कर दिया गया, क्या कारण हो सकता है

A.पॉलिसी को चुकता मूल्य(पेड अप वेल्यू) मे परिवर्तित करा दिया गया

Scanned by CamScanner

Q108.पूर्णावधि पर बीमाधन का 25 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ जबकि पॉलिसी चालू थी, कारण बताए
A.धनवापीसी पॉलिसी थी
Q109.मृत्यु दावा मान्य किया गया किन्तु पूरा बीमाधन नहीं दिया गया जबकि पॉलिसी चालू थी। कारण बताए
A.ग्रहनाधिकार के कारण
Q110.एक व्यक्ति ने पॉलिसी क्रय की है बीमाकर्ता को बीमा लोकपाल का पता पॉलिसी दस्तावेज़ के किस भाग मे देना अनिवार्य है
A.सूचना विवरणी मे
Q111.राम की पॉलिसी लेने के 9 माह बाद मृत्यु हो गयी दावा एक उपबंध के कारण नहीं मिला, क्या उपबंध/कारण था
A.आत्महत्या उपबंध
Q112. साधारण बीमा में--------- अनुबंध होता है जबकि जीवन बीमा------ अनुबंध होता है
A. (अ) क्षतिपूर्ति (ब) आश्वासन
Q113. --------- बीमित से प्राप्त प्रतिफल एवं ----------बीमाकंपनी से प्राप्त प्रतिफल है
A. (अ) प्रीमियम (ब) क्षतिपूर्ति का आश्वासन
Q114.एमआरआई बीमा से क्या तात्पर्य है
A. MRI(MORTGAGE REDUMPTION INSURANCE) बंधक मुक्ति बीमा
Q115. स्वास्थ्य बीमा उत्पाद किन 3 श्रेणियों मे वर्गीकृत है
A. 1) क्षतिपूर्ति कवर 2) निश्चित लाभ कवर 3) गंभीर बीमारी कवर
Q116.आईआरडीए का मुख्यालय कहाँ पर है
A. हैदराबाद
Q117.यदि बीमाधन-8लाख,कुल देय किश्ते-30,चुकाई गयी किश्तें-8,अर्जित बोनस-60000 हो तब चुकता मूल्य कितना होगा
A. 273333
Q118.स्वास्थ्य बीमा मे कैश लैस सुविधा का मतलब है कि-
A. उपचार के खर्चों का भुगतान बीमा कंपनी द्वारा सीधे अधिकृत नेटवर्क प्रदाता को किया जाता है।
Q.119.रायडर/आरोहक की प्रीमियम सभी आरोहको को मिला कर अधिकतम मूल उत्पाद का कितने प्रतिशत हो सकती है
A. मूल उत्पाद के प्रीमियम के 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी
Q120.वारंटी का अर्थ होता है –
A. पॉलिसी मे वर्णित एक शर्त है जिसका अक्षरश पालन लिया जाना आवश्यक है
Q121.नेटवर्क प्रदाता का अर्थ है –
A. हौस्पिटल या नर्सिंग होम जो नकदीरहित इलाज की सुविधा प्रदान करने के लिए बीमा कंपनी से अधिकृत होता है
Q122. मेलस (प्रीमियम अधिभार) क्या होता है
A. स्वास्थ्यबीमा पॉलिसी मे बड़ी राशि का भुगतान किया गया हो तब नवीनीकरण के समय ली जाने वाली अतिरिक्त प्रीमियम
Q123.NO CLAIM BONUS(NCB) क्या होता है
A. स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी मे 1वर्ष मे कोई भी दावा नहीं होने पर देय अतिरिक्त लाभ या प्रीमियम मे छूट
Q124. बीमा पॉलिसी में समनुदेशन सम्बंधी प्रावधान बीमा अधिनियम 1938 की धारा ---- के अंतर्गत वर्णित हैं.
A. धारा 38
Q125. बीमा अधिनियम की धारा 45-निर्विवादित क्लोज (INDISPUTABILITY CLAUSE) क्या है
A. कोई भी पॉलिसी जोखिम प्रारम्भ तिथि के 3वर्षों के बाद सवालों के घेरे मैं नहीं लायी जाएगी
Q126.बीमा लोकपाल का निर्णय निम्न मे से कौन मानने के लिए बाद्धय नहीं है
A. बीमित/पोलिसिधारक
Q127. एजेंट को नियुक्ति पत्र कौन जारी करता है
A. बीमाकंपनी
Q128. बीमा कंपनी को प्रस्ताव प्राप्ति कितने दिनों के भीतर कार्यवाही कर निर्णय या आवश्यकताए बताना जरूरी है
A. 15 दिन के भीतर
Q129.बीमा कंपनी निम्न मे से कौन कौन सी छूट प्रदान कर सकती है
A. केवल बीमाधन एवं प्रीमियम भुगतान विधि (छमाही, वार्षिक आदि) के लिए ही प्रीमियम पर छुट दे सकती है
Q130. दावे का भुगतान सभी दस्तावेज़ एवं आवश्यकताओं की पूर्ति के कितने दिन के भीतर करना अनिवार्य है
A. 30 दिन के भीतर

Scanned by CamScanner

अभिकर्ता भर्ती परीक्षा हेतु आईसी-38 पुस्तक के महत्वपूर्ण नोट्स

1.वर्ष 1706 में लायड्स (लंदन) में शुरू की गई "एमीकेबल सोसायटी फार परपीचूअल एश्योरेंस" विश्व की सर्वप्रथम बीमा कंपनी है
2.सन 1818 में स्थापित दि ओरिएंटल लाइफ इंसुरेन्स क॰ भारत की पहली इंग्लिश जीवन बीमा कंपनी थी
3.सन 1850 में स्थापित ट्रीटन बीमा कंपनी लि॰ भारत की पहली गैर जीवन बीमा कंपनी थी
4.भारत की सबसे पुरानी बीमा कंपनी नेशनल इंसुरेन्स क॰ 1906 मे प्रारम्भ हुई थी जो आज भी है
5.बीमाअधिनियम1938 पहला कानून था जो बीमा कंपनी के संचालन एवं नियंत्रण हेतु बनाया गया था जो जुलाई 1939 से लागू हुआ
6.बीमे के संबंध मे सर्वप्रथम नियम 1912 मे बनाये गए थे
7.जीवनबीमा का राष्ट्रीयकरण 1 सित॰1956 को किया गया एवं भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना की गई
8.गैर जीवनबीमा का राष्ट्रीयकरण 1972 में किया गया
9.सन2000 में बीमा को प्रतियोगिता के लिए खोला गया एवं भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण IRDAकी स्थापना हुई
10.बीमा एक एसी प्रक्रिया है जिसमें एक या अधिक लोगों की हानि को बहुत से लोगों में बांटा जाता है। यह पूलिंग के जरिये जोखिम ट्रांसफर है
11.आस्ति अर्थात एसी संपत्ति जिसका आर्थिक मूल्य हो, अथवा जिससे आर्थिक प्रतिफल मिलता हो। इसके नष्ट होने की जोखिम हेतु बीमा किया जाता है। जीवन बीमा में भी आर्थिक मूल्य निकालना होता है इसीलिए मानव जीवन मूल्य HLV अवधारणा का विकास हुआ। इसे प्रो॰ हयूबनर ने विकसित किया था
12.साधारण बीमा में क्षतिपूर्ति अनुबंध होता है जबकि जीवन बीमा आश्वासन अनुबंध होता है
13.जीवनबीमा में आयु के अनुसार जोखिम एवं प्रीमियम मे वृद्धि होती है परंतु सम्पूर्ण काल में प्रीमियम एक समान ली जाती है इसे ही LAVEL PREMIUM (स्तरीय प्रीमियम) /औसत प्रीमियम कहते हैं
14.बीमा पॉलिसी दो पक्षों- बीमा कंपनी एवं बीमा धारक के बीच भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 के नियमों के तहत एक अनुबंध होता है एवं पॉलिसी दस्तावेज़ इस अनुबंध का साक्ष्य होता है। प्रीमियम बीमित से प्राप्त प्रतिफल एवं क्षतिपूर्ति का आश्वासन बीमाकंपनी से प्राप्त प्रतिफल है
15.बीमा अनुबंध का एक मौलिक सिद्धांत है-परम सदभाव (UTMOST GOODFAITH) अर्थात अनुबंध करने वाला प्रत्येक पक्ष बीमे की विषयवस्तु से संबंधित सभी तथ्यों का खुलासा करेगा
16.बीमा अनुबंध का एक अनिवार्य अंग है-बीमायोग्य हित (INSURABLE INTREST)- यह तभी होता है जब बीमित का उस संपत्ति में आर्थिक हित होता है जिसका वह बीमा करवा रहा है। यही बीमे को जुए से अलग करता है।
17.अनुदान बीमा कारोबार का तत्व नहीं है
18.शेयर धनसंचय उत्पाद है जबकि बैंक खाता लेन-देन संबंधी उत्पाद है
19.जीवनबीमा में पॉलिसी लेते समय एवं साधारण बीमा में पॉलिसी लेते समय एवं दावा करते समय भी बीमायोग्य हित होना चाहिए
20.मियादी/अवधि बीमा (TERM INSURANCE) निश्चित समयावधि मे बीमा कवर प्रदान करता है । इसमे बचत तत्व नहीं होता है अतः पूर्णावधि पर बीमाधन नहीं मिलता है । यह अस्थाई बीमे का प्रकार है। यह राइडर के रूप में भी मिलता है ।
21.आजीवन बीमा स्थायी बीमे का प्रकार है इसमे आजीवन बीमा कवर मिलता है
22.एंडोमेंट बीमा मियादी बीमा एवं शुद्ध एंडोमेंट बीमा का संयोजन है। इसमें बीमा अवधि के अंत तक जीवित रहने पर भी बीमाधन का भुगतान होता है।इसमे बचत तत्व भी होता है।इसके अन्य प्रकार है धनवापीसी बीमा जिसमे बीच बीच में धनवापीसी भी होती है
23.मियादी बीमा का प्रीमियम अन्य बीमा की तुलना मे सबसे से कम होता है
24.यूनिवर्सल बीमा,परिवर्ती बीमा एवं यूनिट लिंक बीमा गैर परंपरागत जीवन बीमे के प्रकार है। यूनिवर्सल बीमा की शुरुवात 1979 में अमेरिका में हुई थी यह स्थाई बीमे का प्रकार है। इसमे प्रतिफल की दर तय करना आसान नहीं होता।
25.बंधक मुक्ति बीमा (MORTGAGE REDUMPTION INSURANCE) MRI –यह बंधकदाता द्वारा उसकी मृत्यु की दशा मे बंधक ऋण की शेष राशी की अदायगी के लिए ली जाने वाली घटती मियादी जीवन बीमा पॉलिसी है ।
26.यूलिप पॉलिसी मे निवेश जोखिम बीमाधारक वहन करता है
27.स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी किसी दुर्घटना या बीमारी के कारण अस्पताल मे भर्ती होने की दशा में इसके एसे खर्चों को कवर करती है जो कि पॉलिसी के अपवर्जन का हिस्सा नहीं हो
28. स्वास्थ्य बीमा उत्पाद 3श्रेणियों मे वर्गीकृत है- 1) क्षतिपूर्ति कवर-अस्पताल मे भर्ती होने के वास्तविक खर्चो का भुगतान करते है
2) निशित लाभ कवर-इसे हौस्पिटल कैश भी कहते है, यह अस्पताल मे भर्ती होने की अवधि के लिए प्रतिदिन एक निश्चित राशि देते है 3) गंभीर बीमारी कवर-यह पूर्व वर्णित गंभीर बीमारी होने पर भुगतान करता है ।
29.भारत मे स्वास्थ्य बीमा की औपचारिक शुरुवात कर्मचारी राज्य बीमा ESI के साथ 1947 मे हुई थी इसके पश्चात केंद्र सरकार के कर्मचारियो हेतु 1954 मे सी जी एच एस प्रारम्भ की गयी थी।

Scanned by CamScanner

30. वर्तमान मे 24 जीवन बीमा कंपनी, 28 साधारण बीमा कंपनी, तथा 5 एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनी है ।

31.स्वास्थ्य बीमा मे कैश लैस सुविधा का मतलब है कि पॉलिसी के नियमों एवं सीमाओं के भीतर उपचार के ख़र्चों का भुगतान बीमा कंपनी द्वारा सीधे अधिकृत नेटवर्क प्रदाता को किया जाता है। बीमाधारक को भुगतान नहीं करना पड़ता है

32.फैमिली फ्लोटर स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी मे बीमाधन पूरे परिवार के सदस्यों के लिए होता है जिन्हे इसमें शामिल किया गया है।कुल बीमाराशि की सीमा तक परिवार के एक या अधिक सदस्य मिलाकर दावा राशि प्राप्त कर सकते है

33.टीपिए का अर्थ है तृतीय पक्ष व्यवस्थापक। यह बीमा कंपनी से अधिकृत होता है। इसका प्रयोजन बीमाधारक को निशुल्क सेवा प्रदान करना भी होता है

34. रायडर/आरोहक/एड ऑन कवर से तात्पर्य है कि मूल बीमा योजना के लाभों के अतिरिक्त दिये जाने वाले लाभ। इसके लिए ली जाने वाली प्रीमियम सभी आरोहको को मिला कर मूल उत्पाद के प्रीमियम के 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी

35. वारंटी- पॉलिसी मे स्पष्ट रूप से वर्णित एक शर्त है जिसका अनुबंध की वैधता के लिए अक्षरश पालन लिया जाना आवश्यक है

36. पृष्ठांकन- पॉलिसी के नियमो और शर्तो मे संशोधन की आवश्यकता होने पर किया जाता है

37. नेटवर्क प्रदाता का अर्थ है –कोई हौस्पिटल या नर्सिंग होम जो बीमा धारको को नकदीरहित इलाज की सुविधा प्रदान करने के लिए बीमा कंपनी से अधिकृत होता है ।

38. बीमा वेब एग्रीग्रेटर- ये वेब साइट या टेली मार्केटिंग के माध्यम से बीमा के संभावित ग्राहको की जानकारी एकत्र कर बीमाकंपनी को देना,बीमा उत्पादो का प्रदर्शन एवं बीमा संबधित सेवाए देने का कार्य करते है

39. मेलस (प्रीमियम अधिभार) -स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी मे बड़ी राशि का दावा भुगतान किया गया हो तब नवीनीकरण के समय एक अतिरिक्त प्रीमियम ली जाने वाली राशि

40. NO CLAIM BONUS (कोई दावा नहीं होने की छूट) -कुछ स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी मे वर्ष मे कोई भी दावा नहिहोने पर बोनस या प्रीमियम मे छूट प्रदान की जाती है ।

41. गैर जीवनबीमा पॉलिसी वार्षिक आधार पर जारी की जाती है. नवीनीकरण हेतु बीमा कंपनी को सूचना/नोटिस भेजने की बाध्यता नहीं है। धारा 64VB के अनुसार कोई भी जोखिम स्वीकार नहीं किया जा सकता जब तक कि वास्तव मे प्रीमियम प्राप्त नहीं हुआ हो

42. IIB (भारतीय बीमा सूचना ब्यूरो)

43.विवाहितमहिला संपत्ति अधिनियम (MWP ACT) 1874 की धारा6 के अंतर्गत ली गयी पॉलिसी पत्नी एवं बच्चों के लाभों की सुरक्षा करती है।यह पति के जीवन पर ली जाती है। एसी पॉलिसी अदालती कुर्की एवं लेनदारों के नियंत्रण से बाहर होती है ।

44.प्रमुख व्यक्ति बीमा पॉलिसी (KEY MAN INSURANCE) एक व्यवसाय द्वारा व्यवसाय के महत्वपूर्ण व्यक्ति के जीवन पर ली जाने वाली पॉलिसी होती है जिसके न रहने पर व्यवसाय को वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है ।

45.प्रीमियम शब्द उस मूल्य को दर्शाता है जिसका बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए बीमाधारक द्वारा भुगतान किया जाता है

46. प्रीमियम के पाँच घटक होते है- मृत्यु, ब्याज, प्रबंधन व्यय, आरक्षित निधि,बोनस लदान। पहले दो घटक से शुद्ध प्रीमियम बनता है अन्य घटकों को जोड़ने पर सकल या ऑफिस प्रीमियम बनता है।

47. विवरण पुस्तिका (प्रोस्पेक्टस) बीमा कंपनी का औपचारिक कानूनी दस्तावेज़ है जो उत्पाद की जानकारी प्रदान करता है

48.FPR/प्रथम प्रीमियम रसीद बीमा प्रारम्भ होने का प्रथम साक्ष्य है

49.स्कूल से जारी प्रमाण पत्र, नगरपालिका से जारी प्रमाण पत्र, सेवा अभिलेख, पासपोर्ट, बाइबल उद्धरण (बप्टिस्म सर्टिफिकेट) मानक आयु प्रमाण पत्र है इसके अतिरिक्त सभी अमानक आयु प्रमाण पत्र है

50.मनी लौंडरींग का अर्थ है काले धन के मूल को छिपाकर उसे वैध बनाना या वैध रूप मे चलाना

51."फ्रीलुक अवधि" या "कूलिंग ऑफ अवधि" 15 दिनो की होती है। इसके अनुसार पॉलिसी जारी होने के 15 दिन के भीतर इसे निरस्त करा कर राशि वापिस ली जा सकती है

52.रियायती अवधि या ग्रेसपीरियड--सालाना,छः माही,तिमाही पॉलिसी मे प्रीमियम भुगतान हेतु 1 माह या 31दिन का समय मिलता है

53.बीमा अधिनियम की धारा 113 के अनुसार 3वर्षों के प्रीमियम चुकाने के पश्चात ग्यारंटिड सरण्डर वेल्यू अवश्य मिलेगी।

54.पॉलिसी ऋण–यह सरण्डर वेल्यू के निर्धारित प्रतिशत तक दिया जाता है। यह व्यावसायिक ऋण से दो तरह से भिन्न होता है- 1) इसे चुकाने की कानूनी बाध्यता नहीं है 2) इसमे किसी क्रेडिट जांच की आवश्यकता नहीं होती

55.नामांकन (NOMINATION)-बीमा अधिनियम की धारा 39 के अनुसार बीमित यह प्रस्तावित करता है कि उसकी मृत्यु के पश्चात बीमा राशि का भुगतान किस को किया जाए। बीमित की मृत्यु पूर्व नामांकित के कोई अधिकार नहीं होते है। नामित अवयस्क होने पर अपाइंटी की नियुक्ति की जाती है।नामांकन एक से अधिक के पक्ष मे भी हो सकता है

56.समनुदेशन(ASSIGNMENT)- बीमा अधिनियम की धारा 38 के अनुसार बीमित पॉलिसी के अंतर्गत समस्त अधिकार एवं हित अन्य व्यक्ति को सौप देता है। समनुदेशन करने वाले को समनुदेशक एवं जिसके पक्ष मे होता है उसे समनुदेशिती कहते है

57.बीमालेखक (UNDERWRITER) जोखिम की स्वीकार्यता का निर्णय लेता है। दावा अस्वीकृति बीमालेखक का निर्णय नहीं होता है

Scanned by CamScanner

58.निर्विवादित क्लोज (INDISPUTABILITY CLAUSE)- बीमा अधिनियम की धारा 45 के अनुसार कोई भी पॉलिसी जोखिम प्रारम्भ तिथि के 3वर्षों के बाद सवालों के घेरे में नहीं लायी जाएगी जब तक कि छिपाए हुये तथ्य महत्वपूर्ण जानकारी नहीं हो। यह बीमित के हित मे है।

59.जोखिम प्रारम्भ तिथि से 3वर्ष के भीतर मृत्यु होने से उत्पन्न दावे शीघ्रमृत्यु दावे कहलाते है। बाकी दावो को अशीघ्रदावा कहते है

60.IGMS का अर्थ है इंटीग्रेटेड ग्रीवान्स मेनेजमेंट सिस्टम-यह IRDA द्वारा गठित एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली है।

61.7 वर्षों से लापता व्यक्ति को मृत मानते हुए मृत्यु दावा दिया जाता है बशर्ते इस अवधि मे भी किश्त का भुगतान किया गया हो

62.उपभोक्ता सरक्षण अधिनियम1986 के तहत जिला उपभोक्ता फोरम,राज्य आयोग,राष्ट्रीय आयोग का गठन किया है

63.जिला उपभोक्ताफोरम मे 20लाख तक,राज्यआयोग मे 1करोड़ तक,राष्ट्रीयआयोग मे 1करोड़ से अधिक के केस दर्ज कराये जाते है

64.बीमा लोकपाल की स्थापना 1998 मे की गयी थी।इसमे 20लाख तक की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है

65.कुल बीमालोकपाल 12 है। इन्हे 90 दिन मे अपना निर्णय देना होता है। निर्णय बीमा क० पर बंधनकारी है बीमित पर नहीं है।

66.एजेंट को नियुक्ति पत्र बीमा कंपनी द्वारा जारी किया जाता है(धारा 40(1) के अंतर्गत)।यह 3वर्ष के लिए वैध रहता है।

67.बीमालेखन के उपकरण है-प्रस्ताव पत्र,आयु प्रमाण,वित्तीय दस्तावेज़,मेडीकल रिपोर्ट,बिक्री की रिपोर्ट।एजेंट प्रथम बीमालेखक होता है।

68.बीमा कंपनी को प्रस्ताव प्राप्ति के 15 दिन के भीतर कार्यवाही कर निर्णय या आवश्यकताए बताना जरूरी है ।

69.मानक जीवन से तात्पर्य एसे जीवन से है जिनकी अनुमानित मृत्यु दर, मृत्यु दर तालिका मे दिखाये गए मानक जीवनो से मेल खाती हो। इसके अतिरिक्त अन्य जीवनो को अमानक जीवन कहते है ।

70.बीमा कंपनी केवल बीमाधन एवं प्रीमियम भुगतान विधि जैसे छमाही, वार्षिक आदि के लिए ही प्रीमियम पर छुट दे सकती है।

71.आयकर मे बीमा प्रीमियम के लिए छूट धारा 80सी के अंतर्गत मिलती है जो अधिकतम 150000 है। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के लिए छूट धारा 80डी के अंतर्गत छूट मिलती है। आयकर की धारा 10(10)डी के अनुसार परिपक्वता (MATURITY) पर प्राप्त राशि आयकर से मुक्त होती है। रु०250000 तक की करयोग्य आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है।

72.NAV(NET ASSET VALUE)- यूलिप पॉलिसी मे यूनिट दिये जाते है। प्रति यूनिट की संपत्ति (जिसमे धन निवेश किया गया है) के बाजार मूल्य को एनएवी कहते है ।

73.IIB(भारतीय बीमा सूचना ब्यूरो) - इसका कार्य बीमा क्षेत्र से संबंधित जानकारी एवं डाटा प्राप्त करना एवं विश्लेषण करना है।

74.ग्राहक के आजीवनमूल्य से तात्पर्य उन आर्थिक लाभों के योग से है जो लंबी अवधि मे ग्राहक के साथ मजबूत संबंध बनाकर प्राप्त किए जा सकते है ।

75.TAT(TURN AROUND TIME)-बीमा कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के लिए निर्धारित समय।

76.चूक/व्यपगत/लेप्स- का अर्थ है कि पोलिसिधारक ने प्रीमियम का भुगतान करना बंद कर दिया है ।

77.पॉलिसी वापिस लेना/सरण्डर- का अर्थ है कि पोलिसिधारक ने पॉलिसी मे उपार्जित राशि वापिस ले ली है।

78.आधिक्य/अधिशेष/सरप्लस- देनदारी मूल्य की तुलना मे परिसंप्पतियों के मूल्य का अधिक होना। जबकि लाभ/प्रॉफ़िट- खर्चो पर आय की अधिकता है। बोनस का निर्धारण आधिक्य/अधिशेष/सरप्लस पर निर्भर है।

79.पॉलिसी के तहत दावे का भुगतान करना या उस पर किसी विवाद की सूचना देना, सभी दस्तावेज़ एवं आवश्यकताओं की पूर्ति के 30 दिन के भीतर करना अनिवार्य है।

80०सक्रिय रूप से सुनने मे शामिल है- वक्ता की ओर ध्यान देना, कभी कभी सिरहिलना, मुस्कराना एवं प्रतिक्रीया देना।

Scanned by CamScanner